

---

# Shri Dainya Ashtakam

श्रीदै-याष्टकम्

## Document Information

---

Text title : dainyAShTakam 1

File name : dainyAShTakam.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna, vishnu, haridAsa, puShTimArgIya

Location : doc\_vishhnu

Author : haridAsa

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : May 17, 2017

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Dainya Ashtakam

---

### श्रीदै-याष्टकम्

---



श्रीकृष्ण गोकुलाधीश नन्दगोपतनूद्वय ।  
यशोदागर्भसम्भूत मयि दीने कृपां कुरु ॥ १ ॥

प्रजनन्द प्रजावास प्रजस्त्रीलुद्वयस्थित ।  
प्रजलीलाकृतं नित्यं मयि दिने कृपां कुरु ॥ २ ॥

श्रीभागवतभावार्थरसात्मन् रसिकात्मक ।  
नामलीलाविलासार्थं मयि दीने कृपां कुरु ॥ ३ ॥

यशोदालुद्वयानन्द विछिताङ्गारिङ्गार ।  
अलकावृतवक्त्राब्ज मयि दीने कृपां कुरु ॥ ४ ॥

विरहार्तिप्रतस्थात्मन् गुणगानश्रुतिप्रिय ।  
महादै-न्यद्योद्वयसम्भूत मयि दीने कृपां कुरु ॥ ५ ॥

अत्यासक्तजनासक्त परोक्षभजनप्रिय ।  
परमानन्दसन्दीप मयि दीने कृपां कुरु ॥ ६ ॥

निरोधशुद्धलुद्वय दयितागीतमोहित ।  
आत्यन्तिकवियोगात्मन् मयि दीने कृपां कुरु ॥ ७ ॥


स्वाचार्यलुद्वयस्थायिलीलाशतयुतप्रभो ।  
सर्वथा शरणं याते मयि दीने कृपां कुरु ॥ ८ ॥

॥ इति श्रीलख्मिदासविरचितं दै-याष्टकं समाप्तम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on July 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

